रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

प्रतिभाओं को उभारने के लिए सिस्टम में है बदलाव की जरूरत– कुलपति प्रो. मिश्र

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के निर्देश पर ऑनलाईन परिचर्चा का आयोजन

ज्बलपुर 28 जुलाई। शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक स्तर पर परिवर्तन की आवश्यकता है। क्या कारण है कि हमारे राष्ट्र की प्रतिभाओं को विदेशों में मान–सम्मान और बेहतर भविष्य के अवसर मिलते हैं। हमें इसपर गंभीरता से विचार करना होगा। प्रतिभाओं का देश से पलायन रूके इसके लिए सिस्टम में बदलाव की जरूरत है और शिक्षाविद् ही प्रतिभाओं को निखारने का कार्य करता है, ऐसे में हमारी उपर बड़ी जिम्मेदारी है। उपरोक्त वक्तव्य माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने मंगलवार को रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में आयोजित ऑनलाईन परिचर्चा की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किए।

केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय के निर्देश पर रादुविवि में 'स्टे इन इंडिया, स्टडी इन इंडिया' विषय पर आयोजित परिचर्चा में माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने कहा कि शिक्षक ही समाज का निर्माण करता है और आज जरूरत है शोधपरक, रोजगारोन्मुखी व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की, जिससे विश्वविद्यालय को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल सके। कोरोना संक्रमण काल से उत्पन्न परिस्थितियों के बीच यह भी सामने आया है कि विदेश में शिक्षा लेना अब कठिन प्रतीत हो रहा है।

शिक्षा के मापदंडों को बेहतर बनाने पर जोर–

राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष एवं विवि के वरिष्ठ आचार्य प्रो. एस.पी. गौतम ने परिचर्चा के दौरान कहा कि वैश्विक स्तर पर विश्वविद्यालयों में प्रवेश उनके द्वारा निर्धारित मापदंडों के आधार पर ही दिया जाता है जिसके कई आधार होते हैं। हमारे विश्वविद्यालयों में भी मापदंडों को बेहतर बनाने पर जोर देना होगा। पूर्व परीक्षा नियंत्रक प्रो. राकेश बाजपेयी ने कहा कि शोध पर ध्यान केन्द्रित कर इसकी बाधाओं को दूर करने पर सभी को मिलकर विचार करना होगा। प्रो. पी. के. सिंघल ने कहा कि विश्वविद्यालयों को नॉलेज जनरेट करने का केन्द्र बनना होगा तभी रैंकिंग में सुधार संभव है। प्रो. ममता राव ने बताया कि विश्वविद्यालय में मेरिट बेस्ड एडमिशन सिस्टम को बदलने पर विचार करना चाहिए। प्रो. एस.एन मिश्र ने शिक्षा के क्षेत्र में नई तकनीकों के समावेश की जरूरत पर जानकारी प्रदान की। प्रो. एस.एस. संधु ने वि.वि. की आधारभूत संरचना को विकसित करने पर जोर दिया। विवि आईक्यूएसी समन्वयक प्रो. अंजना शर्मा के संयोजन में आयोजित परिचर्चा में प्रो. रामशंकर, प्रो. जे.एम. केलर, प्रो. शैलेष चौबे, प्रो. मृदुला दुबे, प्रो. भरत कुमार तिवारी, प्रो. एस. एन. बागची एवं प्रो. धीरेन्द्र पाठक आदि द्वारा सारगर्भित विचार प्रस्तुत किए गए।

रादुविवि परिसर में सेनेटाइजेशन का कार्य सतत् जारी

जबलपुर। कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से उत्पन्न परिस्थितियों के चलते रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में मंगलवार को भी सेनेटाइजेशन का कार्य सतत् जारी रहा। माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र के मार्गदर्शन व प्रभारी कुलसचिव डॉ. दीपेश मिश्रा के निर्देशन में कोविड–19 संक्रमण से बचाव हेतु सम्पूर्ण विश्वविद्यालय परिसर में सेनेटाइजेशन का कार्य किया जा रहा है। प्रभारी कुलसचिव डॉ. दीपेश मिश्रा ने बताया गया कि सभी विभाग एवं कार्यालय में नगर निगम के सहयोग से सेनिटाइजेशन कार्य किया जा रहा है। विवि में आगामी 31 जुलाई 2020 तक विद्यार्थियों, आवेदकों, आमजनों की भौतिक रूप से उपस्थिति पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगी। विश्वविद्यालय परिसर में कक्षायें स्थगित रहेंगी लेकिन समस्त शैक्षणिक कार्य ऑनलाईन माध्यम से जारी रहेगा।

————————————————————————————————

पत्रकारिता और मीडिया हाउस के बीच संतुलन से आवश्यक– डॉ. शर्मा

एमबीए व पत्रकारिता विभाग द्वारा ऑनलाईन वेबिनार का आयोजन

जबलपुर। मीडिया और बाजार के नाजुक रिश्ते को समझने से पहले इस सच को स्वीकार करके चलना होगा कि मीडिया समाज का चौथा स्तम्भ होने के साथ–साथ एक व्यवसाय भी है। इन दोनों के बीच संतुलन स्थापित करने से ही पत्रकारिता और मीडिया हाउस के उद्देश्यों को पूर्ण किया जा सकता है। उपरोक्त जानकारी रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय एमबीए विभाग के एसो. प्रोफेसर डॉ. आशीष शर्मा ने मंगलवार को आयोजित ऑनलाईन वेबिनार में मुख्य वक्ता के रूप में दी।

माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र के निर्देशन में विश्वविद्यालय के एमबीए विभाग एवं पत्रकारिता विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 'पत्रकारिता और मीडिया हाउस के वाणिज्यिक उद्देश्यों के बीच संतुलन' विषय पर आयोजित एक दिवसीय वेबिनार का शुभारंभ करते हुए पत्रकारिता विभागाध्यक्ष प्रो. धीरेन्द्र पाठक ने विषय प्रवर्तन करते हुए बताया कि इस वक्त मीडिया इंडस्ट्री में क्या चल रहा है, इसे लेकर लोगों का अलग–अलग आकलन है, जो कहीं सही, कभी भ्रम की स्थिती लिए हुए है, पर क्या होना चाहिए और मीडिया और बाजार के बीच सन्तुलन कैसे बनाना चाहिए इस बात पर आज ध्यान केन्द्रित करने की जरूरत है। मुख्य वक्ता डॉ. आशीष शर्मा ने बताया कि कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी की तरह, मीडिया सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी एक नियम के तौर पर लागू की जानी चाहिए। वेबिनार के अंत में आभार प्रदर्शन अतिथि विद्वान डॉ. संजीव श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर विभाग के अतिथि विद्वान डॉ. मोहम्मद जावेद, डॉ. शैलेष प्रसाद, डॉ. प्रमोद पाण्डेय, डॉ. मोहनिका गजभिये सहित पत्रकारिता के छात्र–छात्राएं मौजूद रहे।

रादुविवि जनसम्पर्क प्रकोष्ठ / क्रमांक / 908 / 28.07.2020